हैंड एम्ब्रायडरर अड्डावाला

(हस्त कशीदाकार अड्डावाला)

योग्यता पैक
रेफ. आई.डी. : ए.एम.एच./क्यू1010

क्षेत्र
अपैल्स, मेडअप्स
और होम फर्नीशिग

कक्षा
9वीं एवं 10वीं

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार), श्यालता हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)
www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉबलरोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिखा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग (एएमएचएफ) सेक्टर के बारे

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह विभिन्न तैयार उत्पादों का कच्चे माल से उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, पैटर्न, कटिंग, सिलाई, परिधान, मेड–अप और होम फर्निशिंग आइटम की फिनिशिंग और सजावट से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

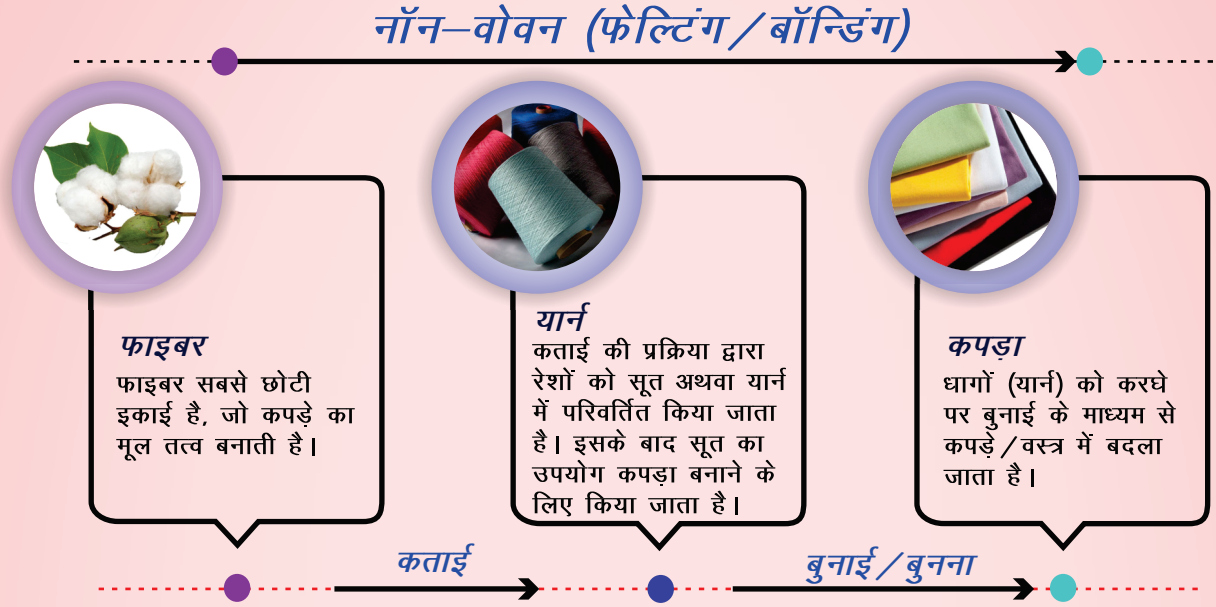

वस्त्र/परिधान उत्पाद विकास योजना के चरणों से होकर गुजरता है और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण के साथ निष्पादन होता है।

- नियोजन में डिजाइनिंग, लक्ष्य ग्राहक की पहचान, लागत अनुमान आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
- निष्पादन में काटना, सिलाई, फिनिशिंग, पैकिंग आदि शामिल हैं।
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- उत्पादों में परिधान, मेड–अप, होम फर्निशिंग और सामान शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

टॅक्सटाइल व अपैरल उद्योग भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार का माध्यम है। भारत न केवल कपास, जूट व सिल्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है बल्कि इस उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार देने की भी क्षमता है। इन उद्योगों में लगने वाले मैन पावर की ट्रेनिंग एएमएचएफ सेक्टर के विभिन्न जॉब रोल्स के माध्यम से की जाती है।

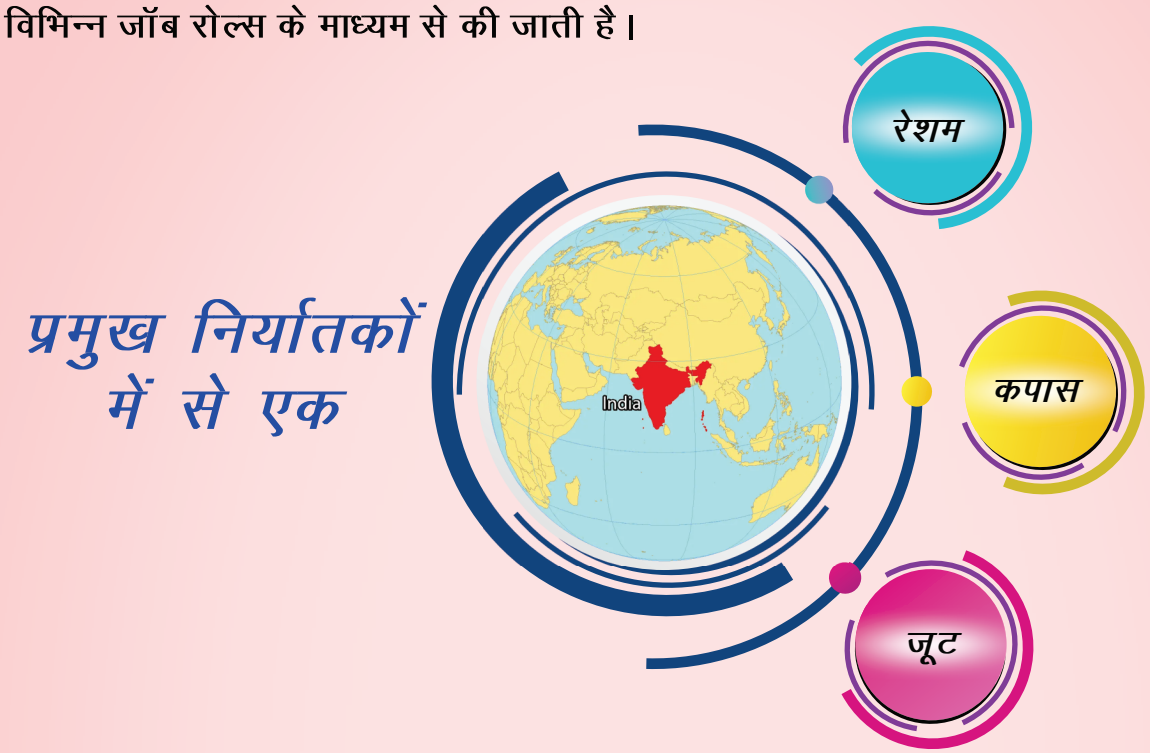

उपर्युक्त चित्र भारत के विकास में एएमएचएफ क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है। एएमएचएफ ने न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दिया है, बल्कि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन में युवाओं के विकास और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

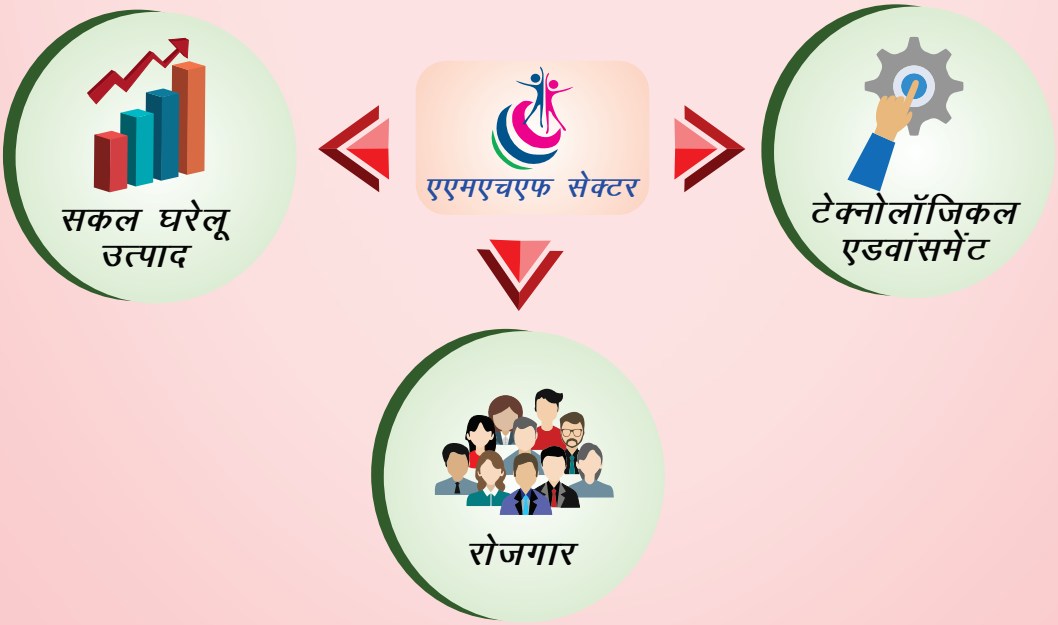

एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

परिधान उद्योग के घटक

एएमएचएफ क्षेत्र को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया जा सकता है:

- फाइबर टू फैब्रिक (कपड़ा उद्योग)
- फैब्रिक टू प्रोडक्ट (परिधान उद्योग)

एएमएचएफ क्षेत्र में कपड़ा उद्योग में फाइबर को धागे या कपड़े (नॉन वोवन) और धागे को कपड़े (वॉवन/निटेड कपड़ा) में बदलना शामिल है। कपड़े को रंगाई, छपाई, कढ़ाई, अलंकरण और परिष्करण तकनीकी का उपयोग करके सुंदर बनाया जाता है।

उपर्युक्त तरीके से कपड़ा बनाने के बाद कपड़ा उद्योग में इस कपड़े से तैयार परिधान, होम फर्निशिंग वस्तुऐं और एसेसरीस आदि बनाए जाते हैं।

एएमएचएफ से जुड़े अन्य उद्योग हैं:

परिधान उद्योग बहुत ही विस्तृत है तथा इसमें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता है। यह एक डिजाइन विचार से शुरू होता है और परिधान तैयार होकर ग्राहक तक पहुंचने पर खत्म होता है। ये प्रक्रियाएं एक परिधान उद्योग के विभिन्न विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। प्रत्येक विभाग एक विशिष्ट कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और सभी विभागों का उद्देश्य उचित लागत और समय के भीतर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। विभिन्न विभाग इस प्रकार हैं–

- मर्चेंडाइजिंग विभाग
- स्टोर विभाग
- कटिंग विभाग
- सिलाई विभाग
- धुलाई विभाग
- परिष्करण और पैकिंग विभाग
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- रखरखाव विभाग
- वित्त और लेखा विभाग
- प्रशासन विभाग

जॉब रोल के बारे में

अपैरल मेड–अप्स होम फर्निशिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब रोल हैं जिन्हें कोई भी अपने पेशे के रूप में चुन सकता है और अपने कौशल को बढ़ा सकता है। यह क्षेत्र उभरते उम्मीदवारों को नौकरी के कई अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें परिधान उद्योग से संबंधित सभी नौकरियां जैसे पैटर्न मास्टर, स्व–नियोजित दर्जी, हाथ कढ़ाई आदि और स्व–स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय जैसे कढ़ाई इकाई, बुटीक, डिजाइन स्टूडियो आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा एपेरल, मेड–अप और होम फर्निशिंग सेक्टर के तहत जॉब रोल निम्नानुसार हैं:

01	फेब्रिक चेकर
02	इन-लाइन चेकर
03	लेयरमैन
04	माप परीक्षक
05	प्रेसमैन
06	सिलाई मशीन ऑपरेटर
07	कढ़ाई मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन)
08	निर्यात सहायक
09	फ्रेमर- कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन
10	गारमेंट कटर (सीएएम)
11	हाथ की कढ़ाई
12	गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता
13	नमूना करण दर्जी
14	एडवांस पैटर्न मेकर (सीएडी/सीएएम)
15	फेशन डिजाइनर
16	क्यूसी कार्यकारी- सिलाई लाइन
17	मर्चेंडाइजर
18	मशीन रखरखाव मैकेनिक (सिलाई मशीन)
19	निर्यात कार्यकारी
20	निर्यात प्रबंधक
21	सैंपल कोऑर्डिनेटर
22	औद्योगिक अभियंता (आईई) कार्यकारी
23	उत्पादन पर्यवेक्षक सिलाई
24	फैक्टरी अनुपालन लेखा परीक्षक
25	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर
26	सहायक डिजाइनर- होम फर्निशिंग
27	सहायक डिजाइनर- मेडअप्स
28	सहायक फैशन डिजाइनर
29	बुटीक प्रबंधक
30	कटिंग सुपरवाइजर
31	फेब्रिक कटर-(परिधान निर्मित अप और होम फर्निशिंग)
32	फिनिशर
33	हाथ की कढ़ाई (अड्डावाला)
34	लाइन पर्यवेक्षक सिलाई
35	मर्चेंडाइजर-मेड-अप और होम फर्निशिंग
36	ऑनलाइन नमूना डिजाइनर
37	पैकर
38	पैटर्न मास्टर
39	प्रसंस्करण पर्यवेक्षक (रंगाई और मुद्रण)
40	रिकॉर्ड कीपर
41	स्व-नियोजित दर्जी
42	सिलाई मशीन ऑपरेटर (बुना हुआ)
43	सोर्सिंग मैनेजर
44	स्टोर कीपर
45	वाशिंग मशीन ऑपरेटर

एडवांस्ड अड्डावर्क स्टाइल्स एवं स्टिचेस

हैंड कशीदाकार–अड्डावाला ए.एम.एफ.एच के महत्वपूर्ण जॉब रोल्स में से एक है। आइए, हम इस जॉब रोल्स को विस्तृत रूप में समझते हैं। कशीदाकारी कपड़े तथा अन्य साजो सामान को सुई तथा धागों से सजाने की कला है। आरी वर्क (अड्डा वर्क) कशीदाकारों की एक महत्वपूर्ण कला है, जो कि आरी (हुक वाली सुई) और फ्रेम (अड्डा) की मदद से की जाती है। हैंड कशीदाकार (अड्डावाला) समूह में काम करते है, तथा ट्रेसिंग (खाका) के अनुसार कशीदाकारी को कपड़े पर उतारते हैं। इसमें (कढ़ाई) कशीदाकारी तथा अन्य सजावटी वस्तुओं जैसे कि काँच, सितारे, मोती, स्टोन्स आदि की सहायता से कपड़े को निखारते हैं। इस शैली की कशीदाकारी को पारम्परिक परिधानों जैसे कि साड़ी, लहँगे, दुपट्टे, और शेरवानी आदि पर किया जाता हैं।

हस्त कशीदाकार (अड्डावाला) की भूमिका एवं दायित्व/जिम्मेदारी

1. सजावटी डिजाइनों का निर्माण
2. हैंड कशीदाकारी की अलग–अलग स्टिचेस (टाँको) का ज्ञान
3. कशीदाकारी के विभिन्न टाँको को मिलाकर आकर्षक डिजाइन बनाने की क्षमता
4. कशीदाकारी सामग्री को बखूबी इस्तेमाल करना
5. डिजाइन के अनुसार कशीदाकारी की स्टिचेस एवं रंगों का संयोजन

कक्षा 9वीं एवं 10वीं की किताबों में इस पाठ्यपुस्तक के अंतर्गत निम्नलिखित विषय पढ़ाए जाएंगे :–

कक्षा–9वीं

इकाई 1

हस्त कशीदाकारी की बुनियादी बातें

इस इकाई में छात्र हस्त कशीदाकारी के इतिहास एवं उसकी शब्दावली (टर्मिनोलॉजी) के बारे में जानेंगे। छात्र विभिन्न डिजाइनों को बनाना तथा उन्हें कपड़े पर ट्रेसिंग के माध्यम से ट्रांसफर करना (खाका बनाना) भी सीखेंगे। डिजाइनस को कपड़े पर उतारने व ट्रेसिंग की अलग–अलग शैलियों की जानकारी भी इस इकाई में दी जाएगी।

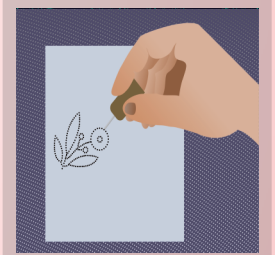

इकाई 2

आरी कार्य का परिचय

इस इकाई में छात्र कपड़े को अड्डे पर कैसे टाका जाता है, इस बारे में सीखेंगें। खाका (ट्रेसिंग पेपर पर कशीदाकारी की डिजाइन) बनाने व कशीदाकारी हेतु डिजाइन को कपड़े पर सही मार्जिन व मार्किंग के साथ उतारने के बारे में भी इस इकाई में चर्चा की गई है। साथ ही आरी वर्क में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी उपकरणों एवं सामान (सामग्री) की जानकारी भी इसमें दी जाएगी।

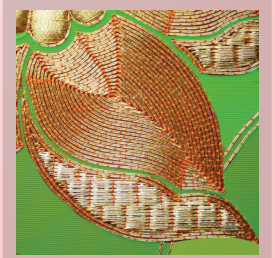

आरी वर्क में उपयोग होने वाले टाँके

इकाई 3

इस इकाई में आरी वर्क में होने वाले विभिन्न टाँके और कढ़ाई की शैली में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न धागों व सजावटी सामान की जानकारी दी जाएगी।

कार्यस्थल के नियम और व्यक्तिगत साफ-सफाई

इकाई 4

इस इकाई में छात्रों को कार्यस्थल के नियम, नीतियों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी। व्यक्तिगत साफ–सफाई और स्वास्थ्य के बारे में ध्यान रखना, इसकी भी चर्चा इसी इकाई में की जाएगी।

सुरक्षा, रखरखाव व संगठनात्मक नियम

इकाई 5

इस इकाई में छात्रों को कार्यस्थल से संबंधित नियमों नीतियों एवं विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी। व्यक्तिगत स्वच्छता, सेहत, साफ–सफाई एवं उपकरणों के रखरखाव संबंधित चर्चा भी इसमें की गई। विभिन्न उपकरणों का उपयोग करते समय संभावित खतरों और सुरक्षा उपायों के पालन के बारे में भी जानेंगे।

कक्षा–10वीं

इकाई–1 डिजाइन के तत्व एवं सिद्धांत

इस इकाई में छात्र कशीदाकारी के माध्यम से आकर्षक व सुन्दर उत्पाद बनाने के लिए डिजाइन के तत्वों व सिद्धांतो की आधारभूत जानकारी तथा इसमें विभिन्न रेखाओं, आकारों, रंगों एवं रंग समायोजनों तथा अनुपात (प्रपोर्शन), सन्तुलन (बैलेन्स), सामंजस्य (हार्मनी) आदि सिद्धांतो के कशीदाकारी में इस्तेमाल के बारे में समझेंगें।

इकाई–2 अड्डावर्क की उन्नत शैलियां एवं टाँके

इस इकाई में अड्डावर्क की विभिन्न शैलियों जैसे कि गोटापत्ती, जरदोजी, तिल्ला, मुक्केश आदि के बारे में बताया गया है। अड्डावर्क में उपयोग होने वाले टांके जैसे चैन स्टिच, सैटिन स्टिच तथा काउचिंग एवं उसके काम में आने वाल मोती, सितारों, पोत, नलकि, कटदाना, क्रिस्टल्स आदि के इस्तेमाल से कशीदाकारी एवं उन्न्त कढ़ाई ओर सजावट के कौशल को भी इस इकाई में विकसित किया जाता है।

तिल्ला वर्क

गोटापत्ती

सेक्विन और जरदोजी

इकाई–3 अड्डावर्क से तैयार की गई एक्सेसरीज एवं परिधान घटक (कॉम्पोनेन्ट्स)

इस इकाई में अड्डावर्क से तैयार की गई विभिन्न एक्सेसरीज एवं गार्मेंट कॉम्पोनेन्टस जैसे की कॉलर, पट्टी, योक, आस्तिन आदि की जानकारी दी जाएगी। ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से अलग अलग शैलियों के अड्डावर्क का एक्सेसरीज एवं गार्मेंट्स पर खूबसूरती से इस्तेमाल भी इस इकाई में सिखाया जाएगा।

इकाई–4 एम्ब्रॉयडरी स्टिचॅस का इस्तेमाल

इस इकाई में अड्डावर्क के विभिन्न टांकों एवं शैलियों का इस्तेमाल करके प्रॉडक्ट अथवा उत्पाद की सुंदरता व आकर्षण को बढ़ाने के बारे में चर्चा की गई है। ग्राहक स्पॅसिफिकेशन शीट को सही ढंग से समझकर उत्पाद तैयार करने की कला के बारे में भी इस इकाई में बताया गया है। अतः छात्र इस इकाई में स्पेसिफिकेशन शीट के बारे में भी विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे।

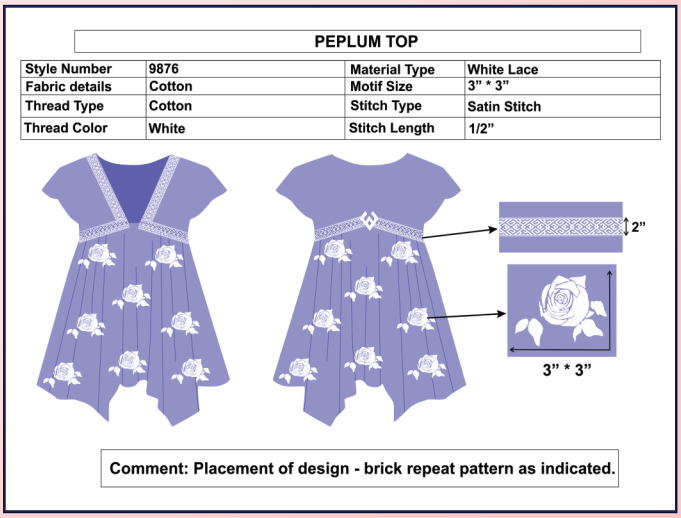

इकाई–5 इम्ब्रॉयडर्ड उत्पादों की फिनिशिंग एवं पैकिंग

इस इकाई में छात्र कस्टमर्स तक उत्पाद पहुंचने के पहले जरूरी फिनिशिंग व पैकिंग के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही साथ कढ़ाई के वक्त उत्पाद में आए डिफेक्टस (खराबी) के प्रकार व उनके सुधार के बारे में भी जानेंगे। फिनिशिंग और पैकिंग से कशीदाकर उत्पादों के आकर्षण को निखारने के बारे भी इस इकाई में चर्चा की जाएगी।

रोजगार के अवसर

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों को आजिविका के निम्नलिखित अवसर प्राप्त हो सकते हैं:–

स्व-रोजगार

- स्वयं का व्यवसाय
- विभिन्न एम्ब्रॉयडरी युनिटों में फ्रीलान्सर
- बायिंग हाउस में फ्रीलान्सर
- डिजाइन हाउस में फ्रीलान्सर- अपैरल एवं फर्निशिंग क्षेत्र

वैतनिक रोजगार

- असिस्टेंट हैंड एम्ब्रॉयडरर
- सीनियर हैंड एम्ब्रॉयडरर
- हैंड एम्ब्रॉयडरर
- ट्रेनर

कॅरियर विकास

हस्त कशीदाकार पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद छात्रों को निम्नलिखित क्षेत्रों में करियर बनाने के अवसर मिल सकते हैं:–

ऑन जॉब प्रशिक्षण

01 सरकारी एवं निजी कौशल प्रशिक्षण केन्द्र

02 निर्यात/खरीदना/घर में बनाना

03 सरकारी एवं निजी संगठनों में डिजाईनर विकास/उत्पाद विकास में कार्य

04 शिल्प समूह

05 प्रदर्शनियों और शिल्प मेलों में सीखने का अनुभव

06 एन.जी.ओ. में प्रशिक्षक

PSSCIVE के बारे में

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in